2015

HINDI

[Honours]

PAPER – IV

Full Marks : 90

Time : 4 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

खंड — क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15 × 2

(*क*) 'साकेत' के नवम सर्ग का काव्य-सौन्दर्य सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(*ख*) पठित अंश के आधार पर श्रद्धा की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

(*Turn Over*)

(*ग*) "राम की शक्तिपूजा' कविता महाकाव्यात्मक गुणों से ओत-प्रोत है ।" — विवेचन करें ।

(*घ*) महादेवी की रहस्य-भावना पर विचार कीजिए ।

(*ङ*) 'मुक्तिबोध की कविता में गहन संघर्ष मुखर है ।' — इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।

(*च*) अज्ञेय के काव्यगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए ।

(*छ*) "बाबा नागार्जुन सच्चे अर्थों में स्वाधीन भारत के प्रतिनिधि जन-कवि हैं ।" स्पष्ट कीजिए ।

खंड — ख

2. किन्हीं *पाँच* अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 8×5

(*क*) ये उपमान मैले हो गये हैं ।
देवता इन प्रतीकों के कर गये हैं कूच ।
कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है ।

(*ख*) घिर गया है समय का रथ कहीं
लालिमा में मँढ़ गया है राग
भावना की तुंग लहरें
पंथ अपना, अंत अपना जान
रोलती हैं मुक्ति के उद्‌गार ।

(ग) नील परिधान बीच सुकुमार खुल रहा मृदुल अध
खुला अंग,
खिला हो ज्यों बिजली का फूल मेघ-वन बीच
गुलाबी रंग ।
आह! वह मुख ! पश्चिम के व्योम-बीच जब घिरते
हों घन श्याम,
अरुण रवि मंडल उनको भेद दिखाई देता हो छविधाम ।

(घ) हमारी हार का बदला चुकाने आएगा
संकल्प-धर्मा चेतना का रक्तप्लावित स्वर,
हमारे ही हृदय का गुप्त स्वर्णाक्षर,
प्रकट होकर विकट हो जाएगा ।

(ङ) आज कल कोई आदमी,
जूते की नाप से बाहर नहीं है
फिर भी मुझे खयाल रहता है
कि पेशेवर हाथों और फटे हुए जूतों के बीच
कहीं न कहीं एक अदद आदमी है
जिस पर टाँके पड़ते हैं ।

(च) "धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध,
धिक् साधन, जिसके लिए सदा ही किया शोध ।
जानकी ! हाय उद्धार प्रिया का हो न सका" ।

(छ) अबे, सुन वे, गुलाब
भूल मत जो पाई खुशबू, रंङ्गोआब,
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
डाल पर इतराता है केपीटलिस्ट !

(ज) अमल धवल गिरि के शिखरों पर
बादल को घिरते देखा है ।
छोटे-छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को,
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है,
बादल को घिरते देखा है ।

खंड — ग

3. किन्हीं *पाँच* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4 × 5

(क) 'साकेत' की भाषागत विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

(ख) 'कामायनी' की श्रद्धा का सौंदर्य वर्णन कीजिए ।

(ग) 'महादेवी छायावाद की प्रमुख हस्ताक्षर हैं' — स्पष्ट कीजिए ।

(घ) पठित कविताओं के आधार पर निराला की विद्रोही चेतना पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) 'नागार्जुन की कविता में ग्रामीण जीवन के बिंब भरे पड़े हैं ।' — सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(च) धूमिल की कविताएँ लोकतंत्र की पोल खोलती हैं । स्पष्ट कीजिए ।

(छ) "अज्ञेय 'व्यक्ति' से 'समाज' की ओर बढ़ते हैं ।" — 'यह दीप अकेला' के आधार पर विचार कीजिए ।

(ज) 'मुक्तिबोध कविता के माध्यम से आम जनता की लड़ाई लड़ते हैं ।' — स्पष्ट कीजिए ।